॥ श्री ॥

चामुण्डरायपुराण

CHAAMUNDARAAYAPURAANA

चामुण्डराय · १०वीं शती · अभिलेख ७२/९०

श्री अजितसेन → चामुण्डराय

संक्षिप्त परिचय

गोम्मटेश्वर-प्रतिष्ठापक सेनापति चामुण्डराय कृत — त्रिषष्टि शलाका-पुरुषों का चरित; कन्नड़ गद्य के प्राचीनतम उपलब्ध स्मारकों में परिगणित।

— सम्पादकीय परिचय; नीचे की तालिका-सामग्री मूल स्रोतों से अक्षरशः है। · Editorial summary; all list data is verbatim from the sources.

अभिलेख-विवरण

चामुण्डरायपुराण — दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के ९० प्रमुख प्राचीन ग्रन्थों की कालानुक्रमिक सूची में क्रमांक ७२ पर अंकित ग्रन्थ है। रचयिता चामुण्डराय; रचना-काल १०वीं शती (लगभग)। आचार्य-समयानुक्रमणिका (क्रमांक २१०) के अनुसार इनका समय ९७८ है तथा गुरु श्री अजितसेन। वहाँ इनकी विशेषता/प्रधान कृति के रूप में "चारित्रसार" उल्लिखित है। समकालीन ग्रन्थों में चन्द्रप्रभचरित, प्रद्युम्नचरित, गद्यचिन्तामणि, क्षत्रचूड़ामणि, यशस्तिलकचम्पू, नीतिवाक्यामृत परिगणित हैं।

समकालीन ग्रन्थ

चन्द्रप्रभचरित · प्रद्युम्नचरित · गद्यचिन्तामणि · क्षत्रचूड़ामणि · यशस्तिलकचम्पू · नीतिवाक्यामृत

सम्पूर्ण ग्रन्थ पढ़ें

जैन ग्रन्थ लाइब्रेरी ↗ · जैनकोश ↗ · Archive.org ↗

बाह्य ग्रन्थालयों में खोज — नई टैब में खुलेगी

प्रमाण: ९०-ग्रन्थ सूची-पोस्टर, पंक्ति ७२ — मूल छायाचित्र

← उत्तरपुराण

जीवंधरचरित →